भारत सरकार
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
वाणिज्य विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1260

**दिनांक 03 दिसंबर, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए**

**ई-मार्केटप्लेसपोर्टल**

1260. **श्री अरुणनेहरू:**

क्या **वाणिज्य और उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या तमिलनाडु स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को बढ़ावा देने और पोषित करने में अग्रणी राज्यों में से एक है, जिनकानेतृत्व आमतौर पर महिलाएं करती हैं और महिलाएं इसमें भाग लेती हैं तथा वे आजीविका सुनिश्चित करती हैं तथा राष्ट्र के विकास में भागीदारीकरतीहैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्यासरकारने स्वयं सहायता समूहों को बाजार के विज्ञापन बाजार में अधिक स्थान औरपहुंच प्रदानकरने केलिए सरकारी ई-मार्केटप्लेस पोर्टल में एक पृथक स्थान उपलब्ध कराने में कोईसहायता/सहयोग प्रदान किया है, और
(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**<u>वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री</u>**

**(श्री जितिन प्रसाद )**

(क) से (ग) सरस संग्रह, गर्वमेंटई-मार्केटप्लेस जीईएम के तहत एक पहल # वोकल फॉर लोकल स्टोर्स मई 2020 में दीन दयाल अन्त्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई-एनआरएलएम), ग्रामीण विकास मंत्रालय के अंतर्गत ग्रामीण स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) द्वारा बनाए गए दैनिक उपयोग के उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए शुरू की गई थी। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में एसएचजी को केंद्रीय और राज्य मंत्रालयों/विभागों, सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों, स्वायत्त निकायों, अन्य सरकारी खरीदारों और सहकारी समितियों तक बाजार पहुंच प्रदान करना है। इस पहल के तहत, एसएचजी विक्रेता अपने उत्पादों को 5 उत्पाद श्रेणियों अर्थात् (i) हस्तशिल्प, (ii) हथकरघा और वस्त्र, (iii) कार्यालय सहायक-उपकरण, (iv) किराना और पैंट्री, और (v) व्यक्तिगत देखभाल और स्वच्छता में सूचीबद्ध करने में सक्षम हैं ।

जीईएम के सरस संग्रह पर 3,784 एसएचजी पंजीकृत हैं । वर्तमान में फाउंडेशन फॉर डेवलपमेंट ऑफ़ रूरल वैल्यू चेन्स (एफडीआरवीसी),जो ग्रामीण विकास मंत्रालय के एनआरएलएम के साथ एक सहायक संगठन के रूप में काम करता है,द्वारा सरस संग्रह में 340 से अधिक उत्पाद कैटलॉग सूचीबद्ध हैं। यह उल्लेख किया जाता है कि जीईएम एसएचजी के राज्य-वार डेटा का अनुरक्षण नहीं करता है।

******